दिनांक 21 मार्च, 2018 को कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा द्वारा आयोजित अंतर विश्वविद्यालय चांसलर ट्रॉफी तीरंदाजी एवं बॉस्केटबॉल (पु०/म०) प्रतियोगिता के अवसर पर माननीया राज्यपाल जी के अभिभाषण के मुख्य बिन्दु:-

- मुझे राज्य के छात्र-छात्राओं में निहित प्रतिभा को निखारने की दृष्टि से आयोजित इस चांसलर ट्रॉफी के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित होकर अपार खुशी हो रही है।
- इस अवसर पर मैं प्रतियोगिता में भाग ले रहे सभी छात्र-छात्राओं को अपनी असीम शुभकामनायें देती हूँ। साथ ही अपेक्षा करती हूँ कि वे अपनी उम्दा प्रदर्शन से अमिट पहचान स्थापित करेंगे।
- कोल्हान विश्वविद्यालय को पुरूष एवं महिला दोनों वर्ग में तीरंदाजी एवं बॉस्केटबाल में Inter University Chancellor Trophy Competition की मेजबानी हेतु बधाई देती हूँ।
- कहा गया है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। यदि हमारे बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ खेल, व्यायाम एवं योग की गतिविधियों में उसी उत्साह से हिस्सा लेते हैं, तो निश्चित रूप से उनका तन-मन स्वस्थ होगा।
- हमारे राष्ट्र के पास एक विशाल मानव सम्पदा है। यह मानव सम्पदा जब बौद्धिक रूप से सशक्त होंगे, तो निश्चितरूप से दुनिया का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में शुमार किये जायेंगे।

- झारखण्ड राज्य की आबादी को शिक्षित करने एवं बौद्धिक रूप से मजबूत करने हेतु हम सतत् प्रयासरत है। लोगों को शिक्षित करने का मतलब सिर्फ डिग्री हासिल करना ही नहीं है। हम अपने बच्चों को **quality education** सुलभ कराने हेतु निरंतर प्रयासरत है।

- मैं चाहती हूँ कि अधिक-से-अधिक लोग उच्च शिक्षा ग्रहण करें। उन्हें ऐसी शिक्षा सुलभ हो कि वे निर्भिक होकर **competition face** करें तथा अपने लिए रोजगार हासिल कर सकें।

- इस क्रम में छात्रहित के लिए बहुत-से निर्णय लिये गये हैं। **Academic Calendar** बनाना और उसके अनुसार कार्य होना, सही समय पर परीक्षा लेना और जल्द ही उनके **Result, Publish** करना, जिससे **session** सही हो सके।

- मैंने राज्यपाल का दायित्व संभालने के बाद देखा कि राज्य में शिक्षकों की अत्यन्त कमी है, **Colleges** में **Regular Principal** नहीं है। छात्रहित को सर्वोपरि समझते हुए मैं निरंतर समीक्षा बैठक की, जो सिलसिला आज भी जारी है। इसमें विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों के अधिकारी सम्मिलित होते हैं।

- बहुत प्रयास करने के बाद आज **Colleges** में आज शिक्षकों की नियुक्ति की जा सकी है। हालांकि कतिपय कारणों से स्थाई नियुक्ति नहीं हो पाई, लेकिन छात्रहित में शीघ्र नियुक्ति आवश्यक थी। लगभग सभी **Colleges** में **Regular Principal** सुलभ हो गये हैं।

- आशा है कि ये नियुक्त Teachers, Principals अपनी नियुक्ति की सार्थकता सिद्ध करेंगे। अपने कौशल से विद्यार्थियों का बेहतर मार्गदर्शन करेंगे।
- इन सबके अतिरिक्त विद्यार्थियों में निहित खेल एवं Cultural Talent को encourage करना भी हमारा दायित्व है। हमारे राज्य के बच्चों में असीम खेल प्रतिभा निहित है।
- इसका उदाहरण हमारे राज्य के कई खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अपने प्रदर्शन से पूरे विश्व में ख्याति अर्जित की है। कला की बात करें, तो यह राज्य प्राकृतिक एवं खनिज संपदा के साथ-साथ सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यन्त समृद्ध है। इसलिए इन्हें भी encourage करने की ओर अनवरत प्रयत्न करना चाहिये।
- खेलकूद में भाग लेने से जो मजबूत खेल भावना हृदय में विकसित होती है, उससे जीवन के संघर्षों का सामना करने का विश्वास भी पैदा होता है, और यह भी सत्य है कि जब तक जीवन है, तब तक संघर्ष है, लेकिन उससे घबराना नहीं है। आपको देश-दुनिया में ऐसे अनेक उदाहरण मिल जाएंगे जिन्होंने जीवन की मुश्किलों का उसी बहादुरी से सामना किया, जिस बहादुरी से खेल के मैदान में।
- साथ-साथ मिलकर खेलने से समूह-भावना का भी विकास होता है। परस्पर वैमनस्य, इर्ष्या और शत्रुता की जगह स्नेह और सहयोग की भावना का विकास होता है।
- कोल्हान विश्वविद्यालय द्वारा आज से तीरंदाजी एवं बॉस्केटबाल में Inter University Chancellor Trophy Competition का आयोजन किया जा रहा है।

- जहाँ तक तीरंदाजी की बात है, यह झारखण्ड के अहम खेलों में से एक है। बच्चा-बच्चा इसके प्रति अभिरूचि रखता है।
- गर्व की बात है कि हमारी बिटिया दीपिका ने International Level में बेहतर performance कर इस देश और झारखण्ड का नाम और रौशन करने का कार्य किया।
- मैं उम्मीद करती हूँ कि यह competition देश को कई और talented खिलाड़ी देने में सार्थक सिद्ध होगा।
- Kolhan University द्वारा Basketball की भी मेजबानी की जा रही है। इसके प्रति कई बच्चे गहरी अभिरूचि रखते हैं। गली-गली लोग खेल रहे हैं और इसके प्रति जोश उनमें देखा जाता है।
- इस अवसर पर मैं यह भी कहना चाहूँगी कि एक-एक बच्चा संभावनाओं का भंडार है। कोई किसी से कम या ज्यादा नहीं। सभी अपने-आप में विशिष्ट हैं। किसी का अनुगामी बनने से ज्यादा अच्छा है कि अपना रास्ता खुद तय करना और अपनी मंजिल खुद चुनना। आप सभी बच्चे अनुशासन, संयम और ईमानदारी से प्रयास करें तो आप द्वारा सोची गई दुनिया की मुश्किल से मुश्किल उपलब्धि भी बड़ी सरलता से हासिल हो जाएगी।
- मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि Kolhan University के इस महत्वपूर्ण आयोजन में Tata Steel Sports के officers भी सहयोग कर रहे हैं। आशा है कि Tata Steel, केवल C.S.R. के तहत ही नहीं, इस राष्ट्र के लिए, इन खिलाड़ियों के सपनों को साकार करने की दिशा में आगे आयेंगे।

- Tata Steel, Sports के द्वारा हमारे talented खिलाड़ियों को proper training मिलने से वे राज्य और देश का नाम दुनिया में रौशन करेंगे।
- अंत में, मैं सभी Participants के साथ कोल्हान विश्वविद्यालय परिवार को शुभकामनाएं देती हूँ और आशा करती हूँ एक मजबूत और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में सभी अपनी ईमानदार भागीदारी सुनिश्चित करें। सभी अपने अंदर निहित असीम क्षमता को पहचानें। स्वयं की और दूसरों की इज्जत करें। नैतिकवान बनें और लक्ष्य को हासिल करने हेतु निरंतर अग्रसर हों। आप सभी की उन्नति में ही राष्ट्र की प्रगति निहित है।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!